

सुप्रभात  
रांची, रविवार  
14.01.2024

\* नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



khabarmantra.net

पौष, शुक्ल पक्ष, तृतीया संवत् 2080



मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 182



संक्रान्ति से सूर्य हो जाता है उत्तरायण

FREE ENTRY

#HOCKEYINVITES  
ENROUTEOPARIS



FIH  
HOCKEY  
OLYMPIC  
QUALIFIERS 2024  
► RANCHI

STADIUM ENTRY (FOR SPECTATORS) : 10:00 am Onwards

TODAY'S  
MATCHES

► 14 JANUARY 2024

## FIH HOCKEY OLYMPIC QUALIFIERS RANCHI 2024

MARANG GOMKE JAIPAL SINGH ASTROTURF HOCKEY STADIUM, RANCHI

TIME: 12:00

CHILE

TIME: 14:30

JAPAN

TIME: 17:00

USA

TIME: 19:30

NEW ZEALAND

CZECH REPUBLIC

GERMANY

ITALY

INDIA



PR NO 316097 (IPRD)

चूज डायरी

नदी में बस गिरने से 12  
यात्रियों की मौत  
काहमाड़। नेपाल में बीती देर रात  
एक यात्री बस भालुवांग के निकट  
रासी नदी के पुल से नीचे नदी में  
गिर गयी। इस दुर्घटना में 12 लोगों  
की मौत हो गयी और 23 लोग  
घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि  
मृतकों और घायल यात्रियों में कई  
भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री को समारोह में  
शामिल होने का आमंत्रण

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से  
शनिवार को काके रोड रिस्टर  
सीएस के आवासीय कार्यालय में  
विकास आयुक्त अविनाश कुमार,  
खेल सचिव मनोज कुमार, खेल  
निदेशक सुशांत गोरव एवं हॉकी  
इंडिया के महाराष्ट्र भोजनाश सिंह  
ने मुलाकात की। साथ ही  
एफआईच हॉकी ओलंपिक  
वालीफार-2024 के समाप्त  
समारोह में सम्मिलित होने के लिए  
मुख्यमंत्री को मराण गोमके जयपाल  
रिंग मुंडा परस्टोर्क स्टेडियम आवे  
का आमंत्रण दिया।

भीषण अगलगी में 40  
लाख के सामान खाक  
चाकुलिया (पश्चिम सिंहभूमा)।  
चाकुलिया स्थित केरुकोवा के  
विशेष हाट बाजार में पटाखों में  
आग लग जाने से करीब 40 लाख  
के सामान जलकर खाक हो गये।  
जिसमें दर्जनभर से अधिक वाहन  
शामिल हैं। बता दें कि चाकुलिया  
रिश्त केरुकोवा में हर मगलवार  
को बड़ा बाजार लगता है। हीं  
मकर संक्रान्ति में हर साल बुद्ध  
स्तर पर विशेष बाजार सजते हैं।

इस साल भी बाजार लगा था।

गढ़ना  
आभूषण

सोना (बिंदी) : 59,400 रु/10 ग्राम

गांडी : 77,000 रु/प्रति किलो

तीसरी आंख

टमाटर के गिरते भाव

हमारे लिए तो बस  
चार दिन की चांदी  
और फिर अंधेरी रात।

विवर मन्त्र संवाददाता

रांची। ज्ञानरुद्ध वार्षिकोर्ट ने अपने  
एक फैसले में आदेश दिया है कि  
बेटे को हर हाल में अपने बुजुर्ग  
पिता को लिए रकम देनी  
होगी। हाइकोर्ट ने कोडेरमा की  
परिवार के अदालत के उस फैसले पर  
मुहर लगायी, जिसमें बेटे को  
आदेश दिया गया था कि उसे अपने  
पिता को हां नहीं 3000 रुपये  
बतौर भरण-पोषण देने होंगे। इस  
फैसले के खिलाफ मनोज नाम के  
शख्स ने हाइकोर्ट का दरवाजा  
खटखटाया था।

अपने फैसले में अदालत ने  
कहा है कि यदि आपके माता-पिता  
आशवस्त हैं, तो आप भी आशवस्त

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान आज से, जश्न का माहौल  
प्रसाद में मिलेंगे रामराज, मंदिर का फोटो व मोतीपूर के लड्डू

रामलला आ रहे हैं...

एजेंसी

अयोध्या। भगवान राम के मंदिर  
की रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में अब  
सिर्फ सताह भर का सपने शेष है।  
सभी वैद्यतायां युद्धस्तर पर जारी हैं।

रविवार से अयोध्या में अनुष्ठान शुरू  
होने हैं। प्राण प्रतिष्ठा प्रग्राम के बाद  
श्रद्धालुओं और मेहमानों को प्रसाद  
के रूप में मंदिर की खुदाई में  
निकली रामराज, मातीचूर के लड्डू  
और राम मंदिर की फोटो दी  
जायेगी। देखायर से कई हजार

उपहार : 22 को प्राण प्रतिष्ठा

उपहार : 22 को प्र











समय

संवाद

# संक्रान्ति से सूर्य हो जाता है उत्तरायण

बासुकीनाथ पाण्डेय

भगवान् श्रीकृष्ण ने भी अधिक माना गया है। माघ मह में कृष्ण पंचमी में मकर संक्रान्ति का महत्व होता है कि उत्तरायण के 6 मास के शुरू काल में जब सूर्यदेव उत्तरायण होते हैं और पृथ्वी प्रकाशमय रहती है, तो इस प्रकाश में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति का पुर्जन्म नहीं होता, ऐसे लोग ब्रह्म को प्राप्त होते हैं। यही कारण था कि भीषण पितामह ने शरीर तक नहीं त्याग था, जब तक कि सूर्य उत्तरायण नहीं हो गया।

फसलें लहलहाने लगती हैं : इस दिन से बसंत क्रतु की भी शुरूआत होती है और यह पर्व सप्तपूर्ण अखड़ भारत में फसलों के आगमन की खुशी की रूप में मनाया जाता है। खरीफ की फसलें कट चुकी होती हैं और खेतों में खेती की फसलें लहलहानी होती हैं। खेत में सरसों के फूल मनमोहक लगते हैं।



अ

को 12 राशियों में बांटा गया है। भारतीय ज्योतिष में इन 4 स्थितियों को 12 संक्रान्तियों में बांटा गया

है जिसमें से 4 संक्रान्तियां महत्वपूर्ण होती हैं - मेष, तुला, कर्क और मकर संक्रान्ति।

इस दिन से सूर्य होता है उत्तरायण - चन्द्र के आधार पर 2 भाग हैं - कृष्ण और शुक्रकश। इसी तरह सूर्य के आधार पर वर्ष के 2 भाग हैं - उत्तरायण और दक्षिणायण। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। उत्तरायण

अर्थात् इस समय से धरती का उत्तरायण सूर्य की ओर मुड़ जाता है, तो उत्तर ही से सूर्य निकलने लगता है। इसे सोमायान भी कहते हैं। 6 माह सूर्य उत्तरायण रहता है और 6 माह दक्षिणायण। मकर संक्रान्ति से लेकर कर्क संक्रान्ति के बीच के 6 मास के समयावरण को उत्तरायण कहते हैं।

संपूर्ण भारत का पर्व : मकर संक्रान्ति के इस पर्व को भारत में चन्द्रमास भारत के अलग-अलग राज्यों में वहाँ के लोकानीय

तिल से बने मिठान्न या पकवान बनाए, खाए और बाटे जाते हैं। इनमें गर्म पैदा करने वाले तत्वों के साथ ही शरीर के लिए लाभदाता पोषक पदार्थ भी होते हैं। उत्तर भारत में दिन खिचड़ी का भोजन यात्रा होता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाटा जाता है।

स्नान, दान, पुण्य और पूजा : माना जाता है कि इस दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजी त्यागकर उनके घर गए थे इसलिए इस दिन पवित्र नदी में स्नान, दान, पूजा आदि करने से पुण्य हजार गुना हो जाता है। इस दिन गंगासागर में मेला भी लगता है। इसी दिन नाराजी त्यागकर उनके घर पर आपने भ्राता भगवान् राम को लाभदाता करते हैं। इस दिन को सुख और समृद्धि का माना जाता है।

पतंग महोत्सव का पर्व : यह पर्व 'पतंग महोत्सव' के नाम से भी जाना जाता है। पतंग उड़ाने के पीछे मुख्य कारण है कुछ घटे सूर्य के प्रकाश में बिताना। यह समय सर्दी का होता है और इस पौसम में सूबह का सूर्य प्रकाश शरीर के लिए सूत्खनाव और त्वचा व हड्डियों के लिए अत्यंत लाभदाता होता है। अब उत्सव के साथ ही सहत का भी लाभ मिलता है।

## आज की व्याकुलता भवित्व से विमुखता के कारण है

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस



जान उत्कृष्ट व्याख्या के बाद भी उहें कुछ भी समझ नहीं आया। व्याख्यातागण कहते थे कि सब कुछ उपर से निकल गया। लेकिन वहीं आश्रम में एक ऐसे भी व्यक्ति की एक ऐसी पंपरा भारत में रही है। लेकिन मैं 500 से ज्यादा गुरुओं ने देश के कोने-कोने में भक्ति की प्रचार-प्रसार की। वहीं कारण था कि भारत दुनिया के श्रेष्ठतम देशों में गिना जाता था। वर्तमान समय में भी भक्ति पंपरा जीवित है और बड़ी संख्या में लोग इसका अनुसरण कर रहे हैं। ऐसा भी है कि कुछ लोग तारीखों की ओर भक्ति की जाना जाता है। वर्तमान समय में भी यह एक ऐसी पंपरा भारत में रही है। लेकिन वे खुब सेवा करते थे। दासन दास की भक्ति कर रही थी आश्रम के कार्यों को पूरे भाव से करते थे। वे कहते थे कि भक्ति के भ्रम में जीते हैं और उस प्रमाण में सच माला लेते हैं। हम सभी यहैं हैं-तन, मन धन सब है तो बुरा लगा जाता है। वह इस भट्काने से भक्ति की जान न मन्त्र भट्का हुआ होता है, वह इस भट्काने से प्रभावित होकर वर्तमान जिंदगी जीता है यही कारण है कि वह विचित्र कठिनाईयों से जुटाता हुआ परेशान होकर उन्होंकी में सुख ढूँढता है।

भगवान् एक परम सत्ता का नाम है जो पुरी प्रकृति को संचालित कर रहा है। विज्ञान प्रकृति के कुछ रहस्यों को संचालित कर रहा है। अतः भक्ति और वैज्ञानिकी के बीच एक अंतर नहीं है। ऐसा भी है कि विज्ञान के क्रम में इन पंक्तियों का उल्लेख करते हैं। लेकिन जा यथार्थ में इन बातों को जीवन पर उत्तरण की बात आती है, ता पीछे हट जाते हैं। सब कुछ अर्थित कर देने की बात समझ में आ जाती है। तब ही भक्ति और वैज्ञानिकी के बीच एक अंतर नहीं है। ऐसा भी है कि विज्ञान के क्रम में इन पंक्तियों का उल्लेख करते हैं। जो यही कारण है कि वह विचित्र कठिनाईयों से जुटाता हुआ परेशान होकर उन्होंकी में सुख ढूँढता है।

भगवान् एक परम सत्ता का नाम है जो पुरी प्रकृति को संचालित कर रहा है। विज्ञान प्रकृति के कुछ रहस्यों को संचालित कर रहा है। लेकिन वहीं आश्रम में एक ऐसी भक्ति की जाना जाता है। वह इस भट्काने से भक्ति की जान न मन्त्र भट्का हुआ होता है, वह इस भट्काने से प्रभावित होकर वर्तमान जिंदगी जीता है यही कारण है कि वह विचित्र कठिनाईयों से जुटाता हुआ परेशान होकर उन्होंकी में सुख ढूँढता है।

रातें । नहीं समय गँवाने व मुख्याने का, मन में सत्य-संकल्प जगाने का। अद्यांगा सही समय बताने का।

जीवन-कला डॉ.प्रियंका कुमारी

खुश रहना एक कला है सब जानते हैं, पर कितने इसे अपनाते हैं?

जागृति कण-कण, और मन का होता है, ता पीछे हट जाते हैं। सब कुछ अर्थित कर देने की बात समझ में आ जाती है। तब ही भक्ति और रवैयाय अंतःरण में स्थिति होती है। टेक्कीरी, यथा आश्रम के निमांता के क्रम में जो महात्मा दर्शनानंद मगध युनिवर्सिटी के परिसर में निवास करते थे तो वे वहाँ के प्रोफेसरों और शिक्षकों से संवाद व्यापक रूप से चर्चा की जाती है। इसे विज्ञान के बीच एक अंतर नहीं है। विज्ञान के मायम से भगवान् की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। तब ही भक्ति और वैज्ञानिकी के बीच एक अंतर नहीं है। ऐसा भी है कि विज्ञान के क्रम में इन पंक्तियों का उल्लेख करते हैं। लेकिन तब उन प्रोफेसरों से संवाद के क्रम में एक बात की जाती है कि तब

जागृति कण-कण, और मन का होता है, पर लक्ष्य में तुम खो रहे हो, मत किसी का प्रतिकार करो।

मत देखो और श्रवण करो ऐसी

बातें, जिससे बदल दो हो जाए सारी

जांजून के बाणों से धायल होने के बावजूद जीवित रहे थे।

भीष्म ने संक्रान्ति तक मृत्यु को रोका

एनके मुलीधर

मकर संक्रान्ति का महाभारत से भी है खास जुड़ाव, युद्ध खत्म होने के बावजूद भट्काने की जान नहीं सुझ रहा था। ऐसे में कुछ

भगवान् ने स्वर्ण तरीकों से उत्तरायण होने का इंतजार किया।

भीष्म पितामह को इच्छा मृत्यु के बीच एक अंतराल में तुम्हारा भट्काने की जान नहीं होती है। ऐसे में कुछ

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है। इसके बाद अन्य बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया है।

भगवान् ने एक के बाद एक कई बाणों को खो दिया ह



## स्पीड न्यूज़

कई विद्यालयों में मनी विवेकानन्द जयंती

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में स्वामी विवेकानन्द जयंती और मकर संक्रांति पर कार्यक्रम किया गया। इस क्रम में विवेकानन्द ज्ञान भारती स्कूल, सोलिटीयर एजुकेशनल एकड़ी, भास्कर एजुकेशनल एकड़ी, मोटसेरी पैराडाइज स्कूल जग बीची व अन्य विद्यालयों में कार्यक्रम हुए। इस क्रम में विवेकानन्द ज्ञान भारती स्कूल में बच्चों के बीच पैंटिंग निवंध प्रतियोगिता हुई। वहीं सोलिटीयर एजुकेशनल एकड़ी में प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता बाद विवाद प्रतियोगिता किया गया। वहीं मोटसेरी पैराडाइज एकड़ी में पतंग उत्सव भास्कर एजुकेशनल एकड़ी के संस्थापक नितेश रंजन भास्कर, सोलिटीयर एजुकेशनल एकड़ी के संस्थापक विवाद अंकित श्री, मोटसेरी पैराडाइज स्कूल के संस्थापक संजय भगत थे।

## सङ्कट दुर्घटना में दो लोग घायल

घाघरा। थाना क्षेत्र के नवीनी अलकरता प्लाट के समीप शुक्रवार की शाम सङ्कट दुर्घटना में दो लोग घायल रुप से घायल हो गये। घायलों में एक निवासी प्रकाश चंद्र भगत शामिल हैं। घायलों को ग्रामीणों के सहाय्ये से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया गया। जहां विकिसोसो ने दोनों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बावजूद मिसी जानकारी के अनुसार अज्ञात चार चक्के वाहन ने टॉपों को टक्कर मारी और टॉपों ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मारा। वहीं भैंस खरीद के पैल आ रहे व्यक्ति को बाकी ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार को भैंस खरीद के पैल चल रहे दोनों व्यक्ति घायल हो गये। टॉपों और चार चक्कों वाहन घायल स्थल से फरार हो गया। वहीं सोलिवास की पारी ने घायला कि वह लोहरदगा से दो भेस के बताया खरीद कर अपने गोपा पैदल पति के साथ जा रही थी। इसी क्रम में अलकरता प्लाट के समीप बाइक अनियंत्रित होकर इसके पीछे को जा टकराया। जिससे दोनों घायल हो गये।

## पतंजलि की देखेखरे में गुरुकुल थाति आश्रम में मनेगा मकर संक्रांति का पर्व

लोहरदगा। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास जिला इकाई शनिवार को स्थानीय गुरुकुल थाति आश्रम प्रणाल में वैदिक मत्रों के साथ हवन कर मकर संक्रांति का पर्व मनायेगा। जिसमें पतंजलि योग समिति, पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास, युवा भारत, सोशल मीडिया एवं अन्य प्रकरणों के पदाधिकारी योगी योद्धा एवं अन्य अनुसारिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन के उपरांत गुरुकुल के ब्रह्माचारियों के साथ पतंजलि एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि गण, सामुहिक रूप से दीही, दूड़ा एवं तिलकुट का प्रसाद रुपरूप ग्रहण करेंगे।

## मनोहर अभियांत्रिक का विमोचन

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय की त्रैमासिक पंत्रिका मनोहर अभियांत्रिक के द्वितीय वर्ष के तृतीय अंक का विमोचन किया गया। मनोहर अभियांत्रिक के द्वितीय अंक का विमोचन अध्यक्ष शशिंद्र लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अंजलि प्रसाद, प्राचार्य उत्तम मुख्यों, सुरेश चंद्र पांडे, कृष्ण प्रसाद, देवानंद महतो, डॉटर्कर कुमुद कुमार, पुष्कर महोन, धर्मेश्वर महतो, चंद्रशेखर प्रसाद, शिवशंकर प्रसाद, प्रादीप रामानंद अग्रवाल, अग्रवाल अध्यक्ष कुमार महतो, शीरा देवी और पंत्रिका की संपादक संस्थानी के द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। पंत्रिका की संपादक संस्थानी के द्वारा शर्मा ने बताया कि कॉलेज की गतिविधियों को दर्शाने वाली इस त्रैमासिक पंत्रिका में शैक्षिक गतिविधियों साथ-साथ गतिविधियों व भेदभावों की कलाकृतियों को विशेष ख्याल दिया गया है।

## ग्राम पंचायत विकास फोरम की बैठक में शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोरदार चर्चा

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखण्ड क्षेत्र के सेन्हे-गहाना तोड़ार पंचायत भवन में ग्राम पंचायत विकास फोरम की बैठक मुखिया शोभा देवी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर दिया गया। वहीं वीड़ीयों ले से पिरामल टीम की स्थानीय कुमारी और अजय राठोड़ ने जीपीपीएफटी फोरम के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया। बैठक में मुखिया शोभा देवी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्य मुहूर पर ध्यान फैलाया। जिसे पिरामल टीम ने वीड़ीयों से शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी मुख्य वीजों ग्राम पंचायत विकास फोरम का समझाने में सहायता की अध्यक्षता हुआ। जिसे मुखिया, पंसर, उप मुखिया, ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, जलसंरक्षण, स्वास्थ्य, एपन ने लाभ पाने के उद्देश से कार्यक्रम को नियमित रूप से सांचालित करने का आग्रह किया। मौके पर पंसर सफरुद्दीन अंसारी, उप मुखिया संगीता देवी, पंचायत सचिव मधुसूदन भगत के अलावे सभी वार्ड सदस्य और आगामानी सेविकाएं आदि थे।

## रिक पद भरने को जल्द होगी परीक्षा

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वामपारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में नेतृत्वी सुभाषण देवी आवासीय विद्यालय, हिंही में रिकॉर्डिंग के बैठक में लिखित परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र वैयक्त करने व इंटरव्यू परीक्षा के लिए अलान-अलान निर्णयक समितियां गठित की गयीं। परीक्षा तिथि निर्धारण का निर्देश शिक्षा विभाग को दिया गया। बैठक में डॉ डीपाली देवी प्रतापा सिंह शेखावत, एलआरडीसी सुजाता कुजूर, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य उपरित्थि थे।

## पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान

लोहरदगा। जिले में प्रथम विहार रेजीमेंट ने भूतपूर्व सैनिक वेलफेर ट्रस्ट, लोहरदगा के सहयोग से पूर्व सैनिक समान समाझोदाय द्वारा नगर भवन में किया। कार्यक्रम के सूची अधिक उपायुक्त डॉ वामपारे प्रसाद कृष्ण, डॉ डीपाली सिंह शेखावत, डॉ एरेको अरविंद कुमार समेत कई प्रशासनिक पुलिस और सेना के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में सैनिक सेवा के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना हमेसा अपने भूतपूर्व सैनिकों का ख्याल रखती है। उनकी समस्याओं का समुचित समाधान किया गया।

## स्पीड न्यूज़

कई विद्यालयों में मनी विवेकानन्द जयंती

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में स्वामी विवेकानन्द जयंती और मकर संक्रांति पर कार्यक्रम किया गया। इस क्रम में विवेकानन्द ज्ञान भारती स्कूल, सोलिटीयर एजुकेशनल एकड़ी, भास्कर एजुकेशनल एकड़ी, मोटसेरी पैराडाइज स्कूल जग बीची व अन्य विद्यालयों में कार्यक्रम हुए। इस क्रम में विवेकानन्द ज्ञान भारती स्कूल में बच्चों के बीच पैंटिंग निवंध प्रतियोगिता हुई। वहीं सोलिटीयर एजुकेशनल एकड़ी में प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता बाद विवाद प्रतियोगिता किया गया। वहीं मोटसेरी पैराडाइज एकड़ी में पतंग उत्सव भास्कर एजुकेशनल एकड़ी में सैनिक सेवा के अधिकारियों ने गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रखण्ड के कई विद्यालयों में गांव में बुनियादी सुविधाओं को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

घाघरा। प्रख









म

कर संक्रान्ति के आस-पास झारखण्ड और बंगल के विभिन्न क्षेत्रों में दुसू पर्व मनाया जाता है। दुसू पर्व झारखण्ड के अलावा पश्चिम बंगल के पुरुलिया, मिदनापुर व बाँकुड़ा जिलों के साथ-साथ ओडिशा के क्योंझर, मयूरभज, बारीपदा जिलों में भी मनाया जाता है। दुसू को लेकर गांव-कर्खों में उत्सव का महाल है। अगहन संक्रान्ति के दिन गांव की कुंवारी

कन्याएं दुसू की मूर्ति बनाती हैं। इसी मूर्ति के घरों और सजावट करती हैं और फिर धूप, दीप के साथ दुसू की पूजा करती है। यह पर्व झारखण्ड के अलावा पश्चिम बंगल के पुरुलिया, मिदनापुर व बाँकुड़ा जिलों के साथ-साथ ओडिशा के क्योंझर, मयूरभज, बारीपदा जिलों में भी मनाया जाता है। दुसू को लेकर गांव-कर्खों में उत्सव का महाल है। अगहन संक्रान्ति के दिन गांव की कुंवारी

विभिन्न प्रकार के दुसू गीत भी गाती हैं। दुसूमें कुंवारी लड़कियों की मां, घारी, फुआ, मौसी आदि सहयोग करती हैं। मकर संक्रान्ति के दिन कोहान के विभिन्न क्षेत्रों में दुसू पर्व मनाया जाता है। दुसू पर्व झारखण्ड संक्रान्ति की धरोहर है।

यह पर्व झारखण्ड के अलावा पश्चिम बंगल के पुरुलिया, मिदनापुर व बाँकुड़ा जिलों के साथ-साथ ओडिशा के क्योंझर, मयूरभज, बारीपदा जिलों में भी मनाया जाता है। दुसू को

लेकर गांव-कर्खों में उत्सव का माहौल है। गांवों में मकर संक्रान्ति से एक माह पहले अग्रहन संक्रान्ति से ही दुसू पर्व की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। करीब एक माह पहले पौष माह से ही दुसू मनों की मिट्टी की मूर्ति बनाकर उसकी पूजा शुरू हो जाती है। इस दौरान दुसू और चौड़ाल (एक पारंपरिक मंडप) सजाने का काम भी होता है। इसे सिर्फ कुंवारी लड़कियां ही सजाती हैं।

## हामदेर दुसू एकला घोले, बिन बातासे गाछे डोले



### प्रो कोरनेलियस मिंग

यह त्यौहार झारखण्ड के दक्षिण पूर्व रांची, खुटी, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंधभूम, पश्चिम सिंधभूम, रामगढ, बोकारो, धनबाद जिलों, तथा पंचपरना क्षेत्र की प्रमुख पर्व है, दुसू पर्व पंचपरगना की सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार है। अगहन संक्रान्ति 15 दिसंबर यानी अधन संक्रान्ति से शुरू होती है। अगहन संक्रान्ति को कुंवारी कन्याओं द्वारा दुसू (चौड़ाल) की स्थापना (थापने) की शारीरिकता के रूप में एक कन्या है। जिसके अवसर पर एक महीना सेवा (पूजा प्रार्थना) करती है जिसके अवसर पर निम्न प्रकार से प्रार्थना एवं आराधना की जाती है-

**1.आमरा जे मां दुसू थापी, अघन सक्राइते गो ।**

**अबला बाछुरेट गवर, लबन चारेट गुड़ी गो ॥**

**तेल दिलाम सलिता दिलाम, दिलाम सरगेर बाती गो । सकल देवता संझ्या लेव मां, लखी सरस्वती गो ।**

**गो ॥**

**गांड आइल' बाछुर आइल', आइल' भगवती गो ।**

**संझ्या लिए बाहिराइ दुसू, घटेर कुल' बाती गो ॥**

**2.आगहन अ सांकराइते दुसू, हौसै हौसै आवे गो ।**

**पूसां सांकराइते दुसू, कादे काँदे जावेगो ॥**

इस तह शाम को सूर्यास्त के बाद प्रतिदिन थापना जाह बैठकर पौष संक्रान्ति तक दुसू आराधना गीत कन्याओं के साथों द्वारा दुसू गीत गया जाता है। उसके बाद मकर संक्रान्ति के एक सप्ताह पहले दुसू के प्रतीक रूप में चौड़ाल को बास्तव रूप में एक महीने का लगान प्रारंभ हो जाता है। अर्थात पूरे पौष संक्रान्ति के दूसू का आयोजन होता है।

**जिनम प्रमुख मेला - 1.हाराडी बुडाढी दुसू मेला-सरीक हाट मेला के दिन। 2.हरिहर दुसू मेला-सरीक हाट मेला के दूसरे दिन। 3.हुड़ल दुसू मेला-सरीक हाट मेला के दिन। 4.राजराय दुसू मेला - सरीक हाट मेला के दिन। 5.हाहिया पथर मेला, फूसरो- 4 जनवरी। 6.छाता पोखरी मेला। 7.माठा मेला। 8.जयदा मेला। 9.पड़सा मेला। 10.हिंडीक मेला। 11.बुटोडीह मेला। 12.सालघाट मेला। 14.बुढ़ाहा बाबा जारांडीह मेला। 15.राम मेला। 16.भूवन मेला (कुईडीह)**

**17.कारकिंडीह मेला। 18.पूनापानी मेला (हाड़ात)। 19.सीता पाईस्ज मेला। 20.पानल मेला। 21.सुधाष (सुर्द्धा)। 22.बह्दाडीह मेला। 23.बानसिह मेला। 24.सिरगिटी मेला। 25.बनियातुगरी मेला। 26.कुलकुली मेला। 27.जाबला मेला। 28.इंचार्डीह मेला। 29.दिवडी मेला। 30.सूर्य मन्दिर मेला। 31.नामकोप दुसू मेला, रांची। 32.मोरावारी दुसू मेला- 3 जनवरी। 34.लादुपडीह दुसू मेला। 35.डिस्सोर-मुस्तरीह मेला। 37.बांकू दुसू मेला। 38.टायपारा दुसू मेला। 39.आइया नदी दुसू मेला। 40.घुरतो सरीक हाट मेला।**

**मकर संक्रान्ति के दिन सरीकहाट पर पंचपरगना, बंगल, झारखण्ड के लाखों श्रद्धालु स्वान करने आते हैं। यह मेला दो दिन तक रहती है मकर संक्रान्ति को प्रारंभ होकर दुसरे दिन करोड़ों श्रद्धालु दुसू कन्या को विसर्जित करने आते हैं। जिस अवसर पर नदी के दोनों किनारों बहुत बड़े भूभाग में मेला का आयोजन होता है शाम को दुसू विसर्जन के साथ सरीकहाट मेला खम्ब हो जाती है इस प्रकार सरीकहाट दुसू मेला के साथ पंचपरगना के अन्य क्षेत्रों, नदी तरफ पर अलग-अलग दिन तक रहता है। अर्थात पूरे पौष संक्रान्ति के दूसू कन्या की सेवा की जाती है। 15/16 जनवरी को दुसू कन्या की प्रतीक रूप में चौड़ाल बनाकर नदी में पारंपरिक गाजे बाजे के साथ दुसू गीत गाते हुए, नाचते डेंगते विसर्जित की जाती है।**

**घर से नदी तक रहते पर जुलूस के रूप में अलग अलग टोली दुसू धून में नदी तक नाचते डेंगते जाते हैं जिसके देखने के लोग नदी के ऊपरी स्थल (मैदान) में रहते हैं दोनों छोड़े पर खड़े होकर नुत्य मंडली को देखते हैं नुत्य मंडली अलग अलग टोली जाती है जिसके द्वारा दुसू कन्या के प्रतीक रूप में चौड़ाल एवं पारंपरिक वायदाल, नगाड़ा, शहनाई, बासुरी, मांदर आदि अनेक वायदाओं के दुसू धून में खी पुष्प नाचते डेंगते आते हैं। ऐसे तो यह नाच डेंग पूरे रहते भर चलती है पर नदी के टट पर लगने वाली मेले में दुसू नुत्य अपने चरम स्थीरित पर होती है। जिसको देखने वाले नदी में दुसू नुत्य अपने चरम स्थीरित पर होती है। इसको देखने वाले के लिए लोगों भी उसी खुबसूरती के दीवाने थे। एक दिन उन्होंने गलत नियत से दुसू मनी को अपरहर कर लिया। जिसे ही यह खबर नवाब सिराजुद्दीन को मिली, तो उन्होंने इस घटना के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की और सैनिकों को सजा देने के साथ ही दुसू मनी को समान के साथ वापस घर भेज दिया। घर वापस जाने पर ताकालीन रुद्धीवादी समाज ने दुसू मनी की पवित्रता पर प्रश्नचार्च के अलग-अलग टोली के लिए लोगों भी उसी खुबसूरती के दीवाने थे। इस घटना से दुसू मनी ने स्थानीय दामोदर नदी में जान देकर अपनी पवित्रता का प्रमाण दिया। जिस दिन दुसू मनी ने अपनी जान**

**तथा दुसू कन्या की कहानी**

**झारखण्ड में प्रचलित लोक कथा के मुताबिक दुसू मनी का जन्म**

**पूर्वी भारत के एक कुर्मी किसान परिवार में हुआ था। झारखण्ड की**

**सीमा के नजदीक उड़ीसा के मयूरभज की रहने वाली दीनी दुसू मनी की खुबसूरती के चर्चे ही तरफ थे। 18वीं सदी में बंगल के नवाब**

**सिराजुद्दीन ने दुसू मनी को अपरहर कर लिया। जिसे ही यह खबर नवाब सिराजुद्दीन को दीवाने थे। एक दिन उन्होंने गलत नियत से दुसू मनी को अपरहर कर लिया। जिसे ही यह खबर नवाब सिराजुद्दीन को दीवाने थे। एक दिन उन्होंने इस घटना के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की और सैनिकों को सजा देने के साथ ही दुसू मनी को समान के साथ वापस घर भेज दिया। घर वापस जाने पर ताकालीन रुद्धीवादी समाज ने दुसू मनी की पवित्रता पर प्रश्नचार्च के अलग-अलग टोली के लिए लोगों भी उसी खुबसूरती के दीवाने थे। इस घटना से दुसू मनी ने स्थानीय दामोदर नदी में जान देकर अपनी पवित्रता का प्रमाण दिया। जिस दिन दुसू मनी ने अपनी जान**

**दीनी दुसू मनी की कहानी**

**झारखण्ड में संक्रान्ति के लोक कथा के मुताबिक दुसू मनी का जन्म**

**पूर्वी भारत के एक कुर्मी किसान परिवार में हुआ था। झारखण्ड की**

**सीमा के नजदीक उड़ीसा के मयूरभज की रहने वाली दीनी दुसू मनी की**

**खुबसूरती के चर्चे ही तरफ थे। 18वीं सदी में बंगल के नवाब**

**सिराजुद्दीन ने दुसू मनी को अपरहर कर लिया। जिसे ही यह खबर नवाब सिराजुद्दीन को दीवाने थे। एक दिन उन्होंने गलत नियत से दुसू मनी को अपरहर कर लिया। जिसे ही यह खबर नवाब सिराजुद्दीन को दीवाने थे। एक दिन उन्होंने इस घटना के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की और सैनिकों को सजा देने के साथ ही दुसू मनी को समान के साथ वापस घर भेज दिया। घर वापस जाने पर ताकालीन रुद्धीवादी समाज ने दुसू मनी की पवित्रता पर प्रश्नचार्च के अलग-अलग टोली के लिए लोगों भी उसी खुबस**